सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

प्रकृति खुद में सबसे अच्छी चिकित्सक है। -हिप्पोक्रेटीस

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 217 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 13 सितम्बर, 2025

टी20 में 300 रन बनाने वाली तीसरी टीम... 7 | राजग व इंडिया गठबंधन में बढ़ी... 3 | प्रदेश सरकार में आपसी खींचतान... 2

मैदान पर बल्ले-गेंद का धमाल देश में सियासी बवाल

भारत-पाकिस्तान मैच ने सजाई राजनीतिक पिच

न्यू इंडिया में पसीना और खून साथ बहेगा

- विपक्ष के दबाव में नहीं आयी सरकार मैच तो हो कर रहेगा
- सभी तैयारियां पूरी टीम इंडिया ने की प्रेक्टिस हर हाल में जीतेंगे
- बैटिंग कोच बोले हमारा ध्यान सिर्फ क्रिकेट पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला क्रिकेट के मैदान से कहीं आगे बढ़ चुका है। बैट-बॉल की टक्कर पर राजनीतिक रायता पीएम मोदी के उस बयान के आधार पर फैल चुका है जो उन्होंने कभी भारत-पाक मैच के संदर्भ में दिया था।

गौरतलब है कि 14 सितंबर को एशिया कप में खेले जाने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। टिकट बिक चुके हैं, और दोनों ही टीम मैदान पर अभ्यास कर अपना पसीना बहा रही है। इनसब चीजों के बरअक्स मैदान के बाहर भी इस मुद्दे को लेकर राजनेताओं के बीच भयंकर गर्मी दिखाई दे रही है। मैच के समर्थन में बल्लेबाजी कोच का बयान आया है कि सरकार से इजाजत मिलने के बाद ही टीम मैच खेलने के लिए तैयार है। वहीं विपक्षी सांसद और नेता आग बबूला है और पाकिस्तान के साथ मैच खेलने को देश के साथ गद्दारी बता रहे हैं।

क्या साथ–साथ चलेगा खून-पसीना?

पीएम मोदी ने कहा था कि पसीना और खून साथ-साथ नहीं बह सकते। उनके इस बयान को सामने रखकर विपक्ष की गूंज संसद से लेकर मीडिया चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सुनाई दे रही है। विपक्ष का कहना है कि जब सरहद पर तनाव है। सैनिक शहीद हो रहे हैं तब मैच और पसीना साथ-साथ नहीं बह सकता। सरकार पलटवार कर रही है कि खेल को राजनीति से जोड़ना देशहित में नहीं है। नतीजा जितनी गर्मी ग्राउंड पर नहीं होगी उससे कहीं ज्यादा राजनीतिक पिच पर दिखाई दे रही है।

14 सितंबर को दुबई में होगा भारत-पाक क्रिकेट मैच

26 परिवारों के प्रति भावुक नहीं है बीसीसीआई

विपक्ष बता रहा है भारत की कूटनीतिक हार

विवाद सिर्फ टीवी स्टूडियो या अखबारों तक सीमित नहीं है। संसद में भी यह मुद्दा बार-बार उठाया गया। विपक्षी सांसदों का आरोप है कि सरकार राष्ट्रीय भावना से समझौता कर रही है। सरकार के सांसद जवाब देते हैं कि विपक्ष देश की खेल भावना को चोट पहुंचा रहा है। कई बार सदन की कार्यवाही ठप हो गई और बहस का केंद्र यही रहा कि भारत-पाक मैच होना चाहिए या नहीं। विपक्ष का तर्क है कि जब सीमा पर खून बह रहा है तब मैदान पर ताली क्यों?, यह सिर्फ क्रिकेट नहीं यह शहीदों की आत्मा का सवाल है। उनका कहना है कि खेल के नाम पर पाकिस्तान को मंच देना भारत की कूटनीतिक हार है।

ऑपरेशन सिंदूर जारी, तो पाकिस्तान से मैच की इजाजत किसने दी : प्रियंका चतुर्वेदी

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि एशिया कप के तहत, 14 सितंबर को दुबई में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच होना है। मैंने संसद में यह मुद्दा इसलिए उठाया था क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब मैं संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में विभिन्न देशों के दौरे पर गया था, तो हमें बताया गया था कि आतंकवाद से कोई बातचीत या व्यापार नहीं होगा। पहलगाम में 26 युवाओं की जान चली गई और 26 महिलाएं विधवा हो गईं। इसीलिए ऑपरेशन सिंदूर हुआ और हमने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। चतुर्वेदी ने अपने लेख में कहा कि हमने यह भी संकल्प लिया था कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद के खात्मे की दिशा में काम नहीं करेगा, तब तक हम उसके साथ सभी तरह की बातचीत और व्यापार बंद कर देंगे। अब इस क्रिकेट मैच की घोषणा हो गई है। मेरे और देश के कई नागरिकों के बार-बार अनुरोध के बावजूद, यह हो रहा है।

सिर्फ दिमाग में क्रिकेट

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बीसीसीआई और सरकार की अनुमति के बाद ही हम इस मुकाबले के लिए तैयार हैं। यह एक टक्कर का मैच होगा। भारत-पाक का मुकाबला हमेशा टक्कर का होता है। तो हम उसी पर फोकस करना चाहेंगे। कोटक से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान के खिलाफ मैचों का बहिष्कार करने की बातों के बीच क्रिकेट पर ध्यान देना मुश्किल होता है? इस पर कोटक ने कहा कि सच कहूं तो मुझे ऐसा नहीं लगता। जब हम खेलने आते हैं तो खिलाड़ी सिर्फ क्रिकेट खेलने पर फोकस करते हैं।

राजनीति का पुराना खेल

राजनीति का पुराना खेल भारतीय राजनीति का यह पुराना खेल है कि पाकिस्तान से हर रिश्ता चाहे वह बातचीत का हो व्यापार का हो या खेल का। सीमा पर तनाव के आईने से देखा जाता है। विपक्ष इस मौके पर सरकार को घेरने के लिए बार-बार यही दोहरा रहा है कि मैच, गोली साथ साथ नहीं चल सकते।

शहीद शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या द्विवेदी ने किया विरोध

पहलगाम आतंकी हमले के शहीद शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या द्विवेदी ने आगामी भारत-पाकिस्तान मैच का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने बीसीसीआई पर असंवेदनशीलता का आरोप लगाते हुए कहा कि मैच से मिलने वाला राजस्व पाकिस्तान आतंकवाद के लिए इस्तेमाल करेगा, इसलिए क्रिकेटरों को इसका बहिष्कार करना चाहिए और लोगों से भी मैच न देखने की अपील की। यह मुद्दा भारत-पाक संबंधों और राष्ट्रीयता पर गंभीर बहस छेड़ता है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच की अनुमति नहीं देनी चाहिए थी। मुझे लगता है कि बीसीसीआई उन 26 परिवारों के प्रति भावुक नहीं है। हमारे क्रिकेटर क्या कर रहे हैं? कहा जाता है कि क्रिकेटर राष्ट्रवादी होते हैं। इसे हमारा राष्ट्रीय खेल माना जाता है। लेकिन 1-2 क्रिकेटरों को छोड़कर, किसी ने आगे आकर यह नहीं कहा कि हमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करना चाहिए।

खिलाड़ी भी विरोध में

पूर्व खिलाड़ी केदार जाधव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा है कि मैंने पहले ही कहा था कि मेरे हिसाब से भारत-पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए लेकिन रविवार को मैच होने जा रहा है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने भी भारत बनाम पाकिस्तान मैच का विरोध किया है और सवाल खड़े किये है कि आखिर मैच क्यो? उन्होंने कहा कि बतौर खिलाड़ी मैं जरूर चाहूंगा कि भारत-पाकिस्तान आपस में खेलें लेकिन सबसे पहले मैं एक भारतीय हूं। पाकिस्तान बार-बार हमारे देश पर हमले कर रहा है। ऐसे में उसके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए।

प्रदेश सरकार में आपसी खींचतान का खामियाजा भुगत रही है आम जनता : अखिलेश

बोले-वोट चोरी न रुकी तो देश में भी होंगे नेपाल जैसे हालात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार पर हमला किया। वह किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारीजनों को सम्मानित कर रहे थे। इस दौरान सपा मुखिया साफा पहनकर सरदार लुक में नजर आए। उन्होंने कहा कि लाल पगड़ी खुशी के प्रतीक के रूप में पहनाई जाती है। अब खुशी आने वाली है, क्योंकि सपा सरकार बनने वाली है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि देश में अगर इसी तरह से वोट चोरी होती रही तो पड़ोसी देश (नेपाल) में जो जनता करती दिख रही है, हो सकता है वो यहां भी करती दिखाई दे। यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार में आपसी खींचतान का खामियाजा आम जनता भुगत रही है। अखिलेश ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर सिख समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यह पूछे जाने पर कि चुनाव आयोग बिहार की तर्ज पर अन्य राज्यों में भी एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण अभियान) चलाने जा रहा है, अखिलेश ने कहा कि यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि कहीं वोट चोरी न हो।

यूपी में वोटर्स को मतदान से रोका गया था

उन्होंने कहा कि पूरा देश जानता है कि उत्तर प्रदेश में वोटरों को मतदान से रोका गया। अपनी जाति के चुनाव अधिकारी रखे गए। कुंदरकी और रामपुर के उप चुनावों में हुई शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। कुंदरकी चुनाव में डीएम व एसपी को निर्देश दिए गए कि कि बंदूक की नोक पर वोट डलवाएं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का चुनाव आयोग को पालन करना पड़ेगा

अखिलेश ने कहा कि अयोध्या के उपचुनाव में 5 हजार लोग बाहर से लाए गए थे। यह वोटों की डकैती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का चुनाव आयोग को पालन करना पड़ेगा। सही मतदाता सूची बने और निष्पक्ष वोटिंग हो, कोई मतदाता मतदान से वंचित न रहे। चुनाव आयोग इसे सुनिश्चित करे, अन्यथा हो सकता है कि यहां भी जनता सड़कों पर दिखाई दे।

भाजपा को महंगाई से लेना-देना नहीं है

उन्होंने कहा कि भाजपा को महंगाई से लेना-देना नहीं है। अस्पतालों में सही इलाज नहीं मिल रहा है। जब भाजपा सरकार जाएगी तभी स्वास्थ्य सेवाएं सुधरेंगी। केंद्र सरकार पंजाब में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए फसल के नुकसान की भरपाई के लिए पूरा मुआवजा दे। साथ ही उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश को भी मुआवजा दे।

यूपी में हिरासत में मौतों का बन रहा रिकॉर्ड

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में हिरासत में मौतों का रिकॉर्ड बन रहा है। गुजरात के बाद उत्तर प्रदेश में हिरासत में सर्वाधिक मौतें हुई हैं। गाजीपुर में पुलिस की पिटाई से हुई मौत पर कहा कि अभी तक दूसरे मारे जा रहे थे, भाजपा को अब जब अपने ऊपर बीता है, तब दर्द समझ में आया होगा। अब राजधानी में न्याय के लिए जहर खाने वाले आ रहे है। एक बार फिर सीएम हाउस के बाहर किसी ने जहर खा लिया।

गहलोत ने नेपाल की स्थिति पर जताई चिंता

नेपाल में हाल ही में हुई हिंसा और अशांति को लेकर राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भारत सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत को पड़ोसी देशों में शांति स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभानी चाहिए थी। पहले श्रीलंका, फिर बांग्लादेश और अब नेपाल जैसे देशों में अस्थिरता फैल रही है। इससे भारत की छवि और नैतिक जिम्मेदारी दोनों पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत को गांधी और नेहरू की विरासत के अनुरूप शांति और भाईचारे का संदेश फैलाना चाहिए, न कि केवल औपचारिक प्रतिकि याएं देना।

कुछ भाड़े के कांग्रेसी और मेरे आलोचक कर रहे राजनीति : दिनेश प्रताप सिंह

» बेटे की राहुल गांधी से हाथ मिलाते वायरल फोटो पर यूपी के मंत्री ने दी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । यूपी सरकार में उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अपने बेटे पीयूष प्रताप सिंह के राहुल गांधी से हाथ मिलाते तस्वीर वायरल होने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि कुछ भाड़े के कांग्रेसी और मेरे आलोचक भाजपा नेतृत्व और कार्यकर्ताओं को नाराज करने के लिए ये तस्वीर वायरल करवा रहे हैं।

राहुल गांधी ने बैठक में आए लगभग सभी लोगों से हाथ मिलाया था लेकिन तस्वीर सिर्फ मेरे बेटे के साथ हाथ मिलाते हुए वायरल की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने मतदाताओं और शुभचिंतकों का झंडा कभी झुकने नहीं दिया है। मैं चुनाव हारा हूं लेकिन हौंसला नहीं। दरअसल, बृहस्पतिवार को

रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में सांसद राहुल गांधी और उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह पहुंचे थे। इस बैठक की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें हरचंदपुर ब्लॉक प्रमुख पीयूष प्रताप सिंह सांसद राहुल गांधी से हाथ मिला रहे हैं और मंत्री दूर खड़े होकर मुस्कुरा रहे हैं। ये तस्वीर इसलिए भी चर्चा में ज्यादा है क्योंकि एक दिन पहले ही राहुल गांधी के रायबरेली आने पर मंत्री उनका विरोध कर रहे थे और प्रदर्शन करते हुए सड़क पर बैठ गए थे। उनके समर्थकराहुल गांधी गो बैक के नारे लगा रहे थे। अगले ही दिन उनके बेटे की राहुल गांधी के साथ हाथ मिलाते हुए ये तस्वीर वायरल हुई जिस पर मंत्री ने सफाई दी।

विधायक शाक्य के गृहयुद्ध वाले बयान पर मचा घमासान

» पार्टी ने किया किनारा, कांग्रेस ने भी खारिज की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य द्वारा हाल ही में देश में गृह युद्ध की आशंका जताते हुए दिए गए बयान को लेकर भाजपा संगठन ने दूरी बना ली है। उधर, कांग्रेस ने भी शाक्य की आशंका को खारिज कर दिया है।

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि भारत विश्व का सबसे चमकता हुआ लोकतंत्र है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहा है। पन्नालाल शाक्य जो हमारे विधायक हैं, उनका दिया गया बयान पार्टी की सोच के विपरीत है। इससे भाजपा इत्तफाक नहीं रखती। आशीष अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि इस मामले में पार्टी का रुख साफ है और वरिष्ठ नेतृत्व जल्द ही इस पर संज्ञान लेगा। गुना के भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य ने एक कार्यक्रम में दिए भाषण में आशंका जताई कि भारत में भी नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे हालात पैदा हो सकते हैं। शाक्य ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए युवाओं को अनिवार्य रूप से सैन्य प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। विधायक शाक्य गुना के उत्कृष्ट स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय जूडो और बॉक्सिंग प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि खेल और विकास की बातें अपनी जगह हैं, लेकिन देश की सुरक्षा और भविष्य को लेकर हमें गंभीर होना पड़ेगा। 18 से 30 वर्ष तक के युवाओं के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग जरूरी होनी चाहिए। शाक्य ने जिला प्रशासन से अपील की कि उनका लिखित प्रस्ताव केंद्र सरकार तक भेजा जाए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय को यह सुझाव दिया जाए ताकि युवाओं की सैन्य ट्रेनिंग तत्काल शुरू हो सके।

भारत में ऐसी स्थिति नहीं : मुकेश नायक

उधर, कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने भी शाक्य की आशंका को खारिज किया है। नायक ने कहा कि अपना देश कोई बर्बाद नहीं करना चाहता। मैं उनके बयान से इत्तेफाक नहीं रखता। किसी भी देश में रोटी कपड़ा मकान और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधा नहीं मिलती है तो वहां स्थिति खराब होती है। भारत में ऐसी कोई स्थिति नहीं है।

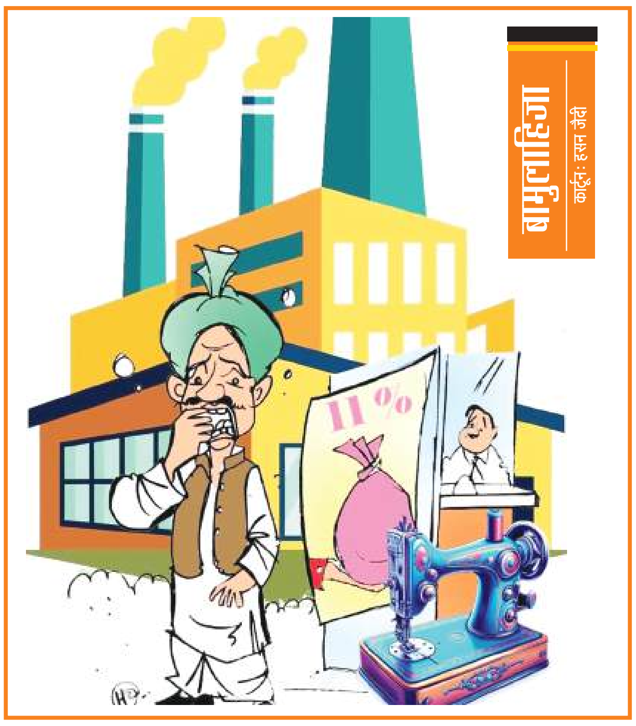

बाबा साहेब पर टिप्पणी करना छोड़ दें : मायावती

» बसपा ने साधु-संतों को की सख्त चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शनिवार को कुछ साधु-संतों को बाबा साहब भीमराव आंबेडकर पर चुप रहने और किसी प्रकार की कोई टिप्पणी न करने की सलाह दी।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जैसा कि विदित है कि आए दिन सुर्खियों में बने रहने के लिए विवादित बयानबाजी करने वाले कुछ साधु-संतों को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के भारतीय संविधान के निर्माण में उनके अतुल्य योगदान की सही जानकारी नहीं है। इसलिए इस संबंध में किसी भी तरह की गलत बयानबाजी करने के बजाय वे चुप रहें तो उचित होगा। उन्होंने कहा, साथ ही, बाबा साहेब के अनुयायी मनुस्मृति का विरोध क्यों करते हैं? जातिवादी द्वेष की भावना को त्याग कर उन्हें इसे जरूर समझना चाहिये। मायावती ने पोस्ट में कहा, इसके साथ-साथ यह भी मालूम होना चाहिये कि बाबा साहेब महान् विद्वान व्यक्तित्व थे।

राजग व इंडिया गठबंधन में बढ़ी तकरार

तेजस्वी का बड़ा आरोप, नीतीश भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह

- » भाजपा व राजद में तू-तू-मैं-मैं
- » बिहार में बढ़ा अपराध-कुशासन
- » अनुराग ठाकुर ने किया पलटवार
- » राजद नेता ने सर्वोच्च न्यायालय को दिया धन्यवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनाव हैं और राजग व इंडिया गठबंधन में सियासी वार-पलटवार जारी है। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भ्रष्टाचार का भीष्म पितामह होने का आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि नीतीश सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है और जनता आगामी चुनावों में इसका बदला लेगी, जो बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। वहीं भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने भी राजद पर करारा पलटवार किया है।

राजद दल के नेता ने पटना में संवाददाताओं से कहा कि बिहार में अपराध बढ़ रहे हैं, मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री अपराधियों को पनाह दे रहे हैं। ऐसा एक भी दिन नहीं है जब राज्य में आपराधिक गतिविधियाँ न हो रही हों। बिहार में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। नीतीश कुमार भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बन गए हैं। सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके वे बिहार को लूट रहे हैं और जनता आगामी चुनावों में इसका बदला लेगी।

देश भर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की संभावना के बीच, राजद नेता ने आधार कार्ड को वैध पहचान पत्र के रूप में शामिल करने की अनुमति देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसके संचालन के तरीके के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि मैं सर्वोच्च न्यायालय को एसआईआर के लिए आधार को पहचान पत्र के रूप में अनुमति देने के लिए धन्यवाद देता हूँ। यह हमारे लिए एक बड़ी जीत है। हम एसआईआर के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि एसआईआर को लागू करने की प्रक्रिया के खिलाफ हैं। इससे पहले 10 सितंबर को, चुनाव आयोग (ईसी) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) का एक सम्मेलन आयोजित किया और मतदाता सूचियों के राष्ट्रव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों का आकलन किया। यह इस वर्ष मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का तीसरा सम्मेलन था। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की उपस्थिति में किया।

स्टालिन के साथ मंच साझा करने पर रार

ठाकुर ने स्टालिन पर भगवान राम का अनादर करने और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का विरोध करने का आरोप लगाया। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि वह व्यक्ति (तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन) जो भगवान राम को नहीं मानते, वह राम मंदिर निर्माण और अपने बेटे द्वारा सनातन के बारे में दिए गए बयानों के खिलाफ थे और उन्होंने सनातन का अपमान किया। कांग्रेस और राजद ने उन्हें अपने मंच पर जगह क्यों दी? बिहार की जनता यह जानना चाहती है ठाकुर की यह आलोचना वरिष्ठ डीएमके नेता और तमिलनाडु के मंत्री दुरई मुरुगन की टिप्पणी की पृष्ठभूमि में आई है। मुरुगन ने तमिलनाडु में 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह राज्य बिहार जैसा नहीं है और यहां के लोग राजनीतिक रूप से जागरूक हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता। वेल्लोर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, मंत्री ने बिहार के साथ तीखी तुलना की और जोर देकर कहा कि तमिलनाडु का शासन और नेतृत्व बिहार से अलग है। मुरुगन ने संवाददाताओं से कहा कि तमिलनाडु, बिहार नहीं है। तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है जहां लोग जागरूक हैं। वहां का शासन यहां जैसा नहीं है। यहां हमारे पास थलपति का नेतृत्व है, और इस तरह की चालें तमिलनाडु में या हमारे नेता के साथ काम नहीं करेंगी। मंत्री की यह टिप्पणी मतदाता सूचियों के राष्ट्रव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चल रही चर्चा के जवाब में आई। बुधवार को चुनाव आयोग (ईसी) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) का एक सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें मतदाता सूचियों के राष्ट्रव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए उनकी तैयारियों का आकलन किया गया। यह इस वर्ष मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का तीसरा सम्मेलन था। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की उपस्थिति में किया।

अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस-राजद को घेरा

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बिहार में इंडिया ब्लॉक के मंच पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को आमंत्रित करने के लिए कांग्रेस और राजद पर तीखा हमला बोला। ठाकुर ने स्टालिन पर भगवान राम का अपमान करने, राम मंदिर निर्माण का विरोध करने और सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार की जनता इस गठबंधन से जवाब चाहती है। यह घटना आगामी चुनावों में सनातन और राम मंदिर जैसे मुद्दों पर राजनीतिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे सकती है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बिहार में इंडिया ब्लॉक के एक कार्यक्रम में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को मंच देने पर कांग्रेस और राजद पर सवाल उठाए।

तेज प्रताप ने तेजस्वी पर कसा तंज

चुनाव आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बिहार के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा रणनीतियों, बाधाओं और अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक प्रस्तुति दी गई ताकि देश के बाकी हिस्सों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उनके अनुभवों से सीख सकें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से अधिक मतदाता न हों, आयोग की पहल का एक समान कार्यान्वयन हो, मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुझाए गए दस्तावेज भी प्रदान किए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति इसमें शामिल न हो। यह दोहराया गया कि इन दस्तावेजों से पात्र नागरिकों के लिए दस्तावेज जमा करना आसान हो जाएगा।

भाजपा में अंदरखाने कुछ गड़बड़ है?

कुछ लोग समानांतर बीजेपी चला रहे हैं: अनिल विज

- » नितिन व विज के बयान तो कर रहे यही इशारे
- » अपने ही नेताओं पर बरसे दोनों वरिष्ठ नेता
- » आशीष तायल का किया था जिक्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा में केंद्र से लेकर राज्य तक के नेताओं में अपनी ही पार्टी के कुछ लोगों पर निशाना साधने में कोई गुरेज नहीं है। इस फेहरिस्त में वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी व हरियाणा के मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता अनिल विज शामिल हैं। विज एकबार फिर राज्य के पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंन एक्स पर लिखा, अंबाला छावनी में कुछ लोग समानांतर बीजेपी चला रहे हैं, जिनको ऊपर वालों का आशीर्वाद भी प्राप्त है।

कमेंट बॉक्स में लिखें कि हम क्या करें? पार्टी का बहुत नुकसान हो रहा है। इसी साल फरवरी में ऊर्जा और परिवहन मंत्री अनिल विज ने दावा किया था कि अक्टूबर 2024 में अंबाला कैंट सीट से उन्हें चुनाव हराने की साजिश रची गई थी। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को निशाने पर लिया था।

हरियाणा सरकार में परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा था कि सीएम नायब सिंह सैनी के दोस्त के साथ जो कार्यकर्ता नजर आ रहे हैं, वही लोग बीजेपी विरोधी उम्मीदवार चित्रा सरवारा के साथ भी दिख रहे हैं। ये रिश्ता क्या कहलाता है। उन्होंने कहा, आशीष तायल जो खुद को नायब सैनी का मित्र बताते हैं उनकी फेसबुक पर नायब सैनी के साथ अनेकों चित्र मौजूद हैं। तायल आज भी नायब सैनी के परम मित्र बने हुए हैं तो फिर प्रश्न उठता है बीजेपी उम्मीदवार की मुखालफत किसने करवाई? 2024 के चुनाव में अनिल विज को निर्दलीय उम्मीदवार चित्रा सरवारा ने कड़ी चुनौती दी थी। विज को 59,858 वोट मिले वहीं सरवारा को 52,581 वोट मिले। कांग्रेस के उम्मीदवार को 14,469 नोट मिले। 2019 में अनिल विज को 64,571 वोट मिले थे। इस चुनाव में भी कांग्रेस की पूर्व नेता सरवारा ने 44,406 वोट हासिल किए थे। अंबाला छावनी से सात बार के विधायक अनिल विज ने फरवरी में कहा था कि पदभार संभालने के बाद से वह (सैनी) 'उड़न खटोला' (हेलीकॉप्टर) पर सवार हैं। अगर वह नीचे आए, तो उन्हें लोगों की पीड़ा दिखाई देगी।

बीजेपी ने दिया था नोटिस

इस विवाद के बीच बीजेपी ने उन्हें कारण बताओ नोटिस भी दिया था. इसका जवाब भी विज ने भेज दिया. नोटिस को लेकर तब अनिल विज ने कहा था कि तूफानों से मैं खेलता हूं, मैं खुद भी एक तूफान हूं, मुझसे टकराने वालों के लिए उनके अंत का पैगाम हूं। हालांकि बाद में मामला शांत हो गया. अब एक बार फिर अनिल विज ने सवाल उठाए हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि बीजेपी का वो कौन नेता है जो अनिल विज को नुकसान पहुंचा रहा है।

मेरे खिलाफ पैसे देकर अभियान चलाया गया : गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ई-20 मिश्रण पेट्रोल पर चल रही बहस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर उन्हें निशाना बनाने के लिए पेड अभियान चलाया गया जिसका उद्देश्य राजनीतिक रूप से बदनाम करना था। गडकरी ने ई-20 मिश्रण को प्रदूषण कम करने और जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने का एक महत्वपूर्ण कदम बताया है जिससे किसानों को भी लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि ई-20 पेट्रोल प्रदूषण कम करने में कारगर है। बता दें कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के वार्षिक सम्मेलन में सवालों के जवाब दे रहे थे। इसी दौरान उनसे पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण से जुड़ी चिंताओं के बारे में पूछा गया था। केंद्रीय मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि ऑटोमोबाइल निर्माता और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया जैसी संस्थाओं ने पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण पर अपने निष्कर्ष साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से आपका उद्योग काम करता है, उसी तरीके से राजनीति भी काम करती है।

राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए चला अभियान

नितिन गडकरी ने कहा कि आयात का विकल्प, लागत-प्रभावी, प्रदूषण-मुक्त और स्वदेशी है। केंद्रीय मंत्री ने इस कार्यक्रम में कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात पर भारी रकम खर्च करता है। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या जीवाश्म ईंधन के आयात को कम कर के बचाए गए धन को भारतीय अर्थव्यवस्था में लगाना आर्थिक रूप से एक अच्छा कदम नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने मक्का से इथेनॉल बनाया। इस कदम से किसानों को 45,000 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। वहीं, इस कार्यक्रम में प्रदूषण के नजरिए से ई-20 मुद्दे पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया इस बात पर सहमत है कि प्रदूषण कम करना जरूरी है। एक रिपोर्ट में पाया गया है कि अगर प्रदूषण का यही स्तर जारी रहा तो दिल्ली के निवासियों की जिंदगी के 10 साल कम हो जाएंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjayshарma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अंगदान के प्रति समाज में जागरूकता लाने की जरूरत

> “अभी कुछ दिन पहले नेत्रदान पखवाड़ा समाप्त हुआ। इस दौरान राजधानी रायपुर के आंबेडकर अस्पताल के आई-बैंक को मात्र दो आंखें महादान में मिली हैं, जबकि इसी आई-बैंक की वेटिंग लिस्ट को देखें तो 200 लोग इंतजार कर रहे हैं। प्रदेश में सात आई-बैंक हैं। इन सभी आई-बैंकों में लंबी वेटिंग लिस्ट है।

देश में जिन लोंगों के अंग नहीं हैं उनकी मदद के लिए अंग दान का अभियान समय-समय पर चलाया जाता है। पर इसका वैसा असर नहीं दिखाई देता जैसा दिखना चाहिए। इसके लिए समाज व सरकार दोनो स्तर काम करने की जरूरत है। प्रति वर्ष सरकार द्वारा लोगों और समाज को जागरूक करने के लिए नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जाता है। इस सरकारी आयोजन के द्वारा नेत्रदान करने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसका असर भी नजर आ रहा है। कुछ ही सही, पर लोग समझने लगे हैं आंखों का महत्व। वे लोग नेत्र (कॉर्निया) दान के लिए आगे आ रहे हैं। देश में पिछले 10 वर्षों में नेत्रदान करने वालों की संख्या बढ़ी भी है। बावजूद इसके यह संख्या उस सूची से काफी कम है, जिन्हें यह दुनिया देखने के लिए किसी के महादान की प्रतीक्षा है। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग आंकड़े आते हैं। अभी कुछ दिन पहले नेत्रदान पखवाड़ा समाप्त हुआ। इस दौरान राजधानी रायपुर के आंबेडकर अस्पताल के आई-बैंक को मात्र दो आंखें महादान में मिली हैं, जबकि इसी आई-बैंक की वेटिंग लिस्ट को देखें तो 200 लोग इंतजार कर रहे हैं।

प्रदेश में सात आई-बैंक हैं। इन सभी आई-बैंकों में लंबी वेटिंग लिस्ट है। अब सवाल उठता है कि ऐसे क्या कारण हैं कि नेत्रदान को प्रेरित करने के लिए नियमित प्रचार और जागरुकता अभियान चलने के बावजूद लोग महादान नहीं कर रहे हैं? इसमें अगले जन्म संबंधी भ्रांति तो है ही, और कुछ नेत्रदान को लेकर सजगता का अभाव भी है। सजगता का अभाव मतलब यह कि किसी व्यक्ति ने अगर नेत्रदान का संकल्प लिया है तो उसे समय-समय पर अपने परिजनों और मित्रों से इस संबंध में बताते रहना चाहिए। इससे होगा यह कि सभी को पता होगा कि महादान का संकल्प लिया गया है और उस संकल्प को उस व्यक्ति के इस दुनिया से जाने के बाद पूरा करना है। निधन के बाद एक तय अवधि में नेत्रदान करना होता है। परिजनों को इसका विशेष ध्यान रखना होगा। इसके अलावा एक और बात सामने आई है कि जरूरतमंद के परिजनों में भी जागरुकता का अभाव है। वे भी समय की महत्ता का ध्यान नहीं रखते। सूचना के बावजूद वे समय पर मरीज को लेकर अस्पताल नहीं पहुंचते। इससे उस महादानी का संकल्प पूरा नहीं हो पाता है। जब दोनों व्यक्तियों के परिजन सजग रहेंगे, तभी महादान सार्थक हो सकेगा। लोगों को अंगदान के लिए सजग होने के साथ-साथ संवेदनशील भी होना पड़ेगा। ये मानवता के लिए में एक आवश्यक कार्य है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दक्षिण का द्वार भेदने की रणनीतिक कोशिश

उमेश चतुर्वेदी

जगदीप धनखड़ के औचक इस्तीफे से खाली हुए उपराष्ट्रपति पद को नया चेहरा मिल गया है। दक्षिण बनाम दक्षिण की जंग में तमिलनाडु बीजेपी का चेहरा रहे सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे। राधाकृष्णन तमिलनाडु की तीसरी शख्सियत हैं, जो उपराष्ट्रपति पद पर पहुंचने में कामयाब हुए हैं। इसके पहले तमिलनाडु के सर्वपल्ली राधाकृष्णन और आर वेंकटरमण उपराष्ट्रपति रह चुके हैं। नरेंद्र मोदी के उभार के पहले तक बीजेपी की छवि ब्राह्मण-बनिया समुदायों की बुनियाद पर टिकी उत्तर भारतीय पार्टी की रही है। मोदी की राजनीतिक छाया में बीजेपी ने इस छवि को काफी हद तक तोड़ने की कोशिश की है। इसके बावजूद तमिलनाडु, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में बीजेपी प्रभावी नहीं बन पाई है। इनमें भी तमिलनाडु पार्टी के लिए अब भी प्रश्न प्रदेश बना हुआ है। पूर्व अधिकारी और तेज-तर्रार नेता अन्नामलाई के आक्रामक अभियान के चलते राज्य में पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी का समर्थक आधार दहाई के आंकड़े में पहुंच चुका है।

बीते लोकसभा चुनाव में पार्टी को करीब साढ़े ग्यारह प्रतिशत और गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ करीब बीस प्रतिशत वोट मिला था। शायद यही वजह है कि बीजेपी तमिलनाडु में अपना समर्थक आधार बढ़ाने के लिए प्रयोग-दर-प्रयोग कर रही है। सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना और उन्हें चुनाव जिताना उसी प्रयोग का विस्तार कहा जा सकता है। सीपी राधाकृष्णन के सामने उपराष्ट्रपति के रूप में कुछ चुनौतियां जरूर रहेंगी। राधाकृष्णन कामचलाऊ हिंदी समझ तो लेते हैं, दो-एक लाइनें बोल भी लेते हैं। उपराष्ट्रपति के रूप में राधाकृष्णन की जिम्मेदारी राज्यसभा की कार्यवाही चलाना होगी। राज्यसभा में ज्यादातर सांसद हिंदी भाषी हैं और वे अपनी बात हिंदी में ही रखते हैं, हंगामा भी हिंदी में करते हैं और बहसें भी हिंदी में ही करते हैं। राधाकृष्णन को इन पर पार पाने के लिए मेहनत करनी होगी।

वैसे वे कहते रहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय छवि बनाने के लिए हिंदी बोलना जरूरी है। अब उन्हें कामचलाऊ से कुछ ज्यादा हिंदी तो सीखनी ही पड़ेगी। भाजपा ने तमिलनाडु को साधने के लिए रणनीतिक तौर पर खूब कोशिशें की हैं। संसद के नए भवन में तमिल राजदंड के प्रतीक सेंगोल की स्थापना हो या फिर वाराणसी में तमिल-काशी संगम का आयोजन, तमिल जनमानस तक मोदी और बीजेपी की बैठ बढ़ाने की कोशिश का ही प्रतीक है। अक्टूबर, 2019 में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत का दौरा किया था। उस वक्त जिनपिंग का मोदी ने तमिलनाडु के खूबसूरत पर्यटक स्थल महाबलिपुरम में स्वागत किया था। इस मुलाकात को भी तमिलनाडु की जनता को साधने की बीजेपी और मोदी की कोशिश के रूप में देखा गया था। प्रधानमंत्री मोदी का अरियलूर जिले केगंगैकोंड चोलपुरम का दौरा हो या यहां के नजदीक स्थित बृहदीश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना हो, सबका संदेश एक ही है, तमिलनाडु के दिलों में अपनी पैठ बनाना। सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु में बीजेपी का बड़ा चेहरा रहे हैं। 1998 और 1999 में कोयंबटूर से बीजेपी के सांसद रहे सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु में तमिल मोदी के तौर पर भी प्रसिद्ध हैं। राधाकृष्णन राज्य में पिछड़े वर्ग में शामिल गौंडर जाति से आते हैं। दिलचस्प यह है कि इस जाति के वोटर कन्नड़ ब्राह्मण महिला जे जयललिता की अन्नद्रमुक मुनेत्र कषगम के समर्थक माने जाते हैं। यह बात और है कि अन्नाद्रमुक की अगुआई कर रहे ई पलानिसामी और बीजेपी के फायरब्रांड नेता अन्नामलाई भी इसी बिरादरी के हैं। इस लिहाज से देखें तो सीपी राधाकृष्णन को बीजेपी ने शीर्ष पर बैठाकर गौंडर समुदाय को साधने की कोशिश की है। 2010 के विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक ने उन्हें पार्टी में शामिल होने

और चुनाव लड़ने का खुला आमंत्रण दिया था लेकिन राधाकृष्णन ने अपनी प्रतिबद्धता नहीं तोड़ी। आजादी के बाद से ही तमिलनाडु की राजनीति में पिछड़ा और दलित समुदाय का प्रभुत्व रहा है। तमिलनाडु की राजनीति में अगड़ा समुदाय एक तरह से किनारे पर आजादी के बाद से ही है। बीजेपी की राज्य में सवर्णों की उत्तर भारतीय पार्टी की छवि है।

तमिलनाडु में बीजेपी के उभार की बड़ी बाधा यह वजह भी रही है। गौंडर समुदाय के राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति बनाकर बीजेपी ने एक तरह से अपनी वह छवि तोड़ने की कोशिश की है। बताने की कोशिश कि वह सवर्ण नहीं, सर्व समाज की पार्टी है। यहां यह भी ध्यान देने की बात है कि केरल के पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान सीपी राधाकृष्णन केरल बीजेपी के प्रभारी थे। राधाकृष्णन जिस तिरूपुर इलाके से आते हैं और जिस कोयंबटूर के सांसद रहे हैं, वह केरल का नजदीकी है।

ओपन-बुक परीक्षा के लिए जरूरी हैं शैक्षिक बदलाव

अविजित पाठक

मौजूदा शिक्षा प्रणाली रटने पर जोर देती है जो सीखने का आनंद और जिज्ञासा छीन रही है। जबकि जरूरत ऐसी पद्धति की है जो शिक्षार्थी में व्याख्यात्मक कौशल और आलोचनात्मक सोच निखारने को प्रोत्साहित करे। ओपन बुक एग्जाम मौजूदा प्रथा के मुकाबले बेहतर है। हालांकि शिक्षकों को भी रचनात्मकता व नवाचार विकसित करने होंगे। जब मैं सीबीएसई द्वारा 2026-27 शैक्षणिक सत्र से कक्षा 9 के लिए ओपन-बुक एग्जाम (किताब खोलकर परीक्षा देना) शुरू करने के हालिया फैसले पर विचार करता हूं, तो मेरे सामने कई विश्लेषणात्मक प्रश्न उठ खड़े होते हैं। मुझे यह कहने में कतई झिझक नहीं है कि ओपन-बुक परीक्षाओं का विचार मौजूदा प्रचलित प्रथा के मुकाबले एक ताजा बदलाव है, जो अन्यथा युवा छात्रों में तीव्र भय और तनाव पैदा करती है, यह कोचिंग सेंटरों द्वारा संचालित 'रेडीमेड उत्तर' और 'गाइड बुक' के उद्योग को बढ़ावा देती है, साथ ही, सामूहिक नकल पर अंकुश लगाने के वास्ते निगरानी तंत्र को बढ़ावा देती है और परीक्षा केंद्र को एक प्रकार से रणभूमि में बदल देती है।

तथापि, एक अध्यापक/शिक्षक के रूप में, मेरा कहना है कि ओपन-बुक परीक्षाओं की वास्तविक क्षमता तब तक सामने नहीं आ सकती जब तक हम असल में एक नवीन और क्रांतिकारी शैक्षणिक चलन के लिए प्रतिबद्ध न हों। इस संदर्भ में, मैं दो टिप्पणियां करूंगा। सर्वप्रथम, जिद्दू कृष्णमूर्ति और श्री अरबिंदो जैसे विद्वानों के शैक्षिक दर्शन पर आधारित चुनिंदा वैकल्पिक विद्यालयों में पाए जाने वाले उल्लेखनीय अपवादों को छोड़कर, मौजूदा स्कूली संस्कृति याददाश्त क्षमता बनाने पर बहुत जोर देती है—मसलन, युद्धों और संधियों की तिथियां/वर्ष जैसे 'वस्तुनिष्ठ' तथ्यों को याद करना या किसी वैज्ञानिक सिद्धांत अथवा किसी गणितीय समीकरण को। यह रट्टामार पढ़ाई को बढ़ावा देना और सीखने के अनुभव से आनंद, जिज्ञासा और आत्मचिंतनशीलता छीन लेना है।

रबिन्द्रनाथ टैगोर के शब्दों में, यह तरीका किसी को परिष्कृत 'तोता' बनने और हर तरह के गैर-जरूरी सवालों के जवाब देने में ही काबिल बना सकता है—मसलन, मुगल सम्राट अकबर के दादा कौन थे? बेलनाकार वस्तु के वक्र सतह के क्षेत्रफल को मापने का सूत्र क्या है? या, तंजानिया की राजधानी का नाम क्या है? हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं कि 'ठोस तथ्यों' को इस तरह याददाश्त में ठूंसने से विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच का विकास होगा, जो इतिहास की सामाजिक-राजनीतिक गतिशीलता को वास्तव में समझने के लिए 'तथ्यों' के पीछे देखने, किसी कवि द्वारा अपनी कविता में प्रयुक्त रूपक के गूढ़ भावार्थ को समझने या यूं कहें कि, वास्तविक जीवन की किसी व्यावहारिक समस्या को हल करने के लिए गणितीय सूत्र प्रयोग करने की प्रक्रिया का इस्तेमाल किया जाए। जरूरत एक ऐसे शैक्षणिक अभ्यास की है जो युवा शिक्षार्थी में व्याख्यात्मक कौशल और आलोचनात्मक सोच की शक्ति निखारने को प्रोत्साहित करे, और अच्छी पुस्तकों के प्रति चस्का विकसित करे, वह, जो उसे निर्धारित पाठ्यपुस्तकों और आधिकारिक पाठ्यक्रम से आगे ले जा सके।

यह रटने की मशीनी प्रक्रिया और उसके परिणामस्वरूप पाठ्यपुस्तकों और बाजार में उपलब्ध 'नोट्स' से नकल करने की प्रवृत्ति से हटाने में एक प्रभावी तरीका हो सकता है। द्वितीय, जैसाकि मैंने अपने अनुभव से सीखा है, शिक्षण कला सीखने और आत्म-खोज की एक सतत प्रक्रिया है। यह यंत्रवत याददाश्त बनाने और रट्टा लगवाने की बजाय रचनात्मक अभिव्यक्ति और आलोचनात्मक सोच की ओर या फिर परीक्षा से भयग्रस्त होने की बजाय सीखने के आनंद की तरफ ले जाने वाली हो। एक तरह से, पाउलो फ्रेयर के मुहावरे को उधार लेते हुए, हमें संवादात्मक/सवाल-पूछने वाली शिक्षा का चलन बनाने की जरूरत है, एक ऐसी शैक्षणिक पद्धति जो शिक्षक और छात्र को साथ-साथ चलने और ज्ञान की सीमाओं का अन्वेषण करने के लिए ताजगी और आलोचनात्मक परीक्षण करने को प्रोत्साहित करे। असल बात तो यह है कि यदि हम अपने छात्रों से ओपन बुक परीक्षा लिखने के लिए कहें, तो हमें भी रचनात्मक सोचने और कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार रहना चाहिए ताकि जिस किस्म के प्रश्न हम पूछेंगे, उनके उत्तर गहरी समझ बनाए बिना न दे पाएं, भले ही उन्हें अपनी किताबें और 'नोट्स' खोलने की अनुमति दी जाए। यहां मैं अपनी बात इतिहास के एक ठोस उदाहरण से स्पष्ट करना चाहूंगा।

कल्पना कीजिए बतौर एक शिक्षक मैं इस तरह से एक प्रश्न तैयार करता हूं 'महात्मा गांधी की हत्या से निहितार्थों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें'। इस काम में, कोई 'गाइड बुक' या पाठ्यपुस्तक छात्र को यह 'तथ्य' याद दिलाने में मदद कर सकती है-नाथूराम गोडसे नामक एक व्यक्ति ने 30 जनवरी, 1948 को गांधीजी की हत्या की थी। लेकिन, इस प्रश्न का रचनात्मक और सार्थक उत्तर देने के लिए उसे विभाजन की भयावहता और नव-स्वतंत्रता प्राप्त राष्ट्र के समक्ष बनी राजनीतिक/सांस्कृतिक उथल-पुथल के बाद मिजाज क्या था, उसकी कुछ समझ बनानी पड़ेगा। आपको अपनी समझ बनाने में विचार, चिंतन और अभिव्यक्ति के गुणों की जरूरत पड़ेगी। वास्तव में, बतौर शिक्षक हमें ऐसे प्रश्न और पहेलियां तैयार करने की कला भी विकसित करने की जरूरत है जो छात्रों को आलोचनात्मक रूप से सोचने, मानक बना दिए गए 'नोट्स' से परे देखने और अपनी रचनात्मक क्षमता को प्रकट करने के लिए प्रोत्साहित करे। इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है—शिक्षकों को खुद को शिक्षित करना होगा।

दुनिया के सबसे खूबसूरत और ऊंचे हैं ये झरने

दुनिया भर की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरते हुए पानी का नजारा काफी खूबसूरत होता है। यह लोगों के मन को सुकून महसूस कराने के साथ ही रोमांच का अनुभव कराता है। दुनिया में कई ऐसे झरने हैं जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उन्हें खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई जितनी चौंकाने वाली है, उनकी सुंदरता उतनी ही सुकूनदायक है। गहरी घाटियों, पहाड़ों और हरियाली के बीच से बहते ये झरने प्राकृतिक कला का अद्वितीय उदाहरण हैं। अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं और घूमने का भी शौक रखते हैं तो दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार एक बार जरूर करें। ये दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरने हैं जिन्हें देखकर हर प्रकृति प्रेमी मंत्रमुग्ध हो जाता है।

कलंदुला जलप्रपात

उत्तर-पश्चिमी अंगोला प्रांत, मलांजे में, लुकाला नदी कई खंडों में गिरती है, जिन्हें अक्सर अफ्रीका के दूसरे सबसे बड़े झरनों में गिना जाता है। विक्टोरिया जलप्रपात की लगभग समान ऊंचाई वाले, कालंदुला जलप्रपात के असंख्य झरने, मौसम के अनुसार, घोड़े की नाल के आकार में 1,350 से 1,900 फीट चौड़े हैं। कालंदुला जलप्रपात को इतना मनोरम बनाने वाला एक कारण अंगोला के वर्षावन की हरी-भरी हरियाली के बीच झाग और फुहारों का अद्भुत नजारा है। ये जलप्रपात पक्षी दर्शन के लिए भी एक लोकप्रिय स्थान हैं, क्योंकि इस क्षेत्र में पक्षियों की कई विभिन्न प्रजातियाँ देखी जा सकती हैं।

एंजेल फॉल्स

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर स्थित एक देश है, जहां एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है, जो वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इसकी धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक बूंदों में बदल जाता है। तट से लेकर पर्वतों की चोटियों तक, वेनेजुएला शानदार प्राकृतिक दृश्यों और अप्रत्याशित नज़ारों वाला देश है। वेनेजुएला इस बात का एक अच्छा उदाहरण है कि कैसे सबसे अच्छे यात्रा स्थल आमतौर पर सबसे सुलभ नहीं होते हैं।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स

पेरू बेहद खूबसूरत है, जहां थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलता है। यह अमेज़न वर्षावनों के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है, इसी कारण इसका नाम थ्री सिस्टर्स पड़ा। कठिन ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह स्वर्ग समान है।

हंसना मना है

शादी में दुल्हन का बॉयफ्रेंड भी आया था... दुल्हन के पिता- आप कौन हैं? बॉयफ्रेंड- जी मैं सेमी फाइनल में फेल हो गया था, फाइनल देखने आया हूं।

पप्पू पिंकी से- एक ही कपड़े पहनकर रोज घूमती हो, अजीब नहीं लगता? पिंकी- यह मेरी ऑफिस यूनिफार्म है बेरोजगार आदमी।

बॉयफ्रेंड- मैं हनीमून पर तुम्हें शिमला ले जाऊंगा। गर्लफ्रेंड- सच में? बॉयफ्रेंड- हां, गर्लफ्रेंड- पहली Wedding Anniversary पर कहां ले जाओगे? बॉयफ्रेंड- तब शिमला से वापस लाऊंगा।

संता एक बैंक में गया और बोला- मुझे एक ज्वाइंट अकाउंट खुलवाना है! बैंक मैनेजर- किसके साथ? संता- जिसके अकाउंट में खूब सारा पैसा हो। बैंक मैनेजर (गार्ड से)- धक्के मारकर बाहर निकालो इसको।

संता- क्या हुआ क्यों उदास बैठे हो? बंता- कल एक न्यूज चैनल के एंकर ने कहा था आइए हम आपको गोवा लेकर चलते हैं। तभी से तैयार बैठा हूं ,कोई आया ही नहीं।

कहानी | एक सत्संग ऐसी भी

एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के एक घर एक पिंजरे में तोता पाला हुआ था। तोता एक दिन पूछता हैं कि सेठजी आप रोज कहां जाते है। सेठजी बोले कि, सत्संग में ज्ञान सुनने जाते है। तोता कहता है, सेठजी संत महात्मा से एक बात पूछना कि में आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते है कि महाराज हमारे घर जो तोता है उसने पूछा हैं की वो आजाद कब होगा? संत जी ऐसा सुनते हीं बेहोश होकर गिर जाते है। सेठजी संत की हालत देख कर चुप-चाप वहां से निकल जाते है। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने क्या कहा। सेठजी कहते है कि तेरे किस्मत ही खराब है जो तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। तोता कहता है कोई बात नही सेठजी में सब समझ गया। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते है तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता हैं। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे हीं उसे पिंजरे से बाहर निकालते है, तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते है कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहां हैं। सेठजी कहते हैं, हां महाराज आज सुबह-सुबह वो जानबुझ कर बेहोश हो गया, मैंने देखा की वो मर गया है इसलिये मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आये मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया।

शिक्षा-इस कहानी से तात्पर्य ये है कि हम सत्संग में तो जाते हैं ज्ञान की बाते करते हैं, पर हमारा मन हमेशा सांसारिक बातों में हीं उलझा रहता हैं। सत्संग में भी हम सिर्फ उन बातों को पसंद करते है जिसमे हमारा स्वार्थ सिद्ध होता हैं। हमें सत्य को स्वीकार कर सभी बातों को महत्व देना चाहिये और जिस झूठ और अहंकार को हम धारण किये हुए हैं उसे साहस के साथ मन से उतार कर सत्य को स्वीकार करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है।

तुला: धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे।

वृषभ: भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

वृश्चिक: समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

मिथुन: भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी।

धनु: प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय काम बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। संतान से मदद मिलेगी। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कर्क: वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें।

मकर: संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ौत्री होगी।

सिंह: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। आय बढ़ेगी।

कुम्भ: किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी।

कन्या: नए अनुबंध होंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है।

मीन: दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें। विवाद से बचें। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे।

ब्रेकअप के बाद, बेहतरीन जीवनसाथी की तलाश में हैं तमन्ना भाटिया

बॉलीवुड | मसाला

तमन्ना भाटिया का इसी साल विजय वर्मा से ब्रेकअप हुआ है। विजय से अलग होने के बाद एक्ट्रेस अब खुद को ऐसे लाइफ पार्टनर के रूप में बदलने की कोशिश कर रही हैं कि कोई भी उन्हें पाकर खुद को किस्मतवाला माने। हाल ही में एक्ट्रेस ने रिलेशनशिप और प्यार के बारे में अंतर को समझाया है।

तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर का प्रमोशन कर रही हैं। वेब सीरीज के प्रमोशन के बाद तमन्ना ने लव लाइफ और रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की है। उनका कहना है कि उन्हें अच्छे पार्टनर के जल्द ही जिंदगी में आने की उम्मीद है। साथ ही उन्हें अब जाकर एहसास हुआ है कि प्यार और रिलेशनशिप में क्या अंतर है।

तमन्ना भाटिया ने कहा, मैं एक बेहतरीन जीवनसाथी बनने की कोशिश कर रही हूं। तो फिलहाल यही मेरी तलाश है। मैं ऐसा जीवनसाथी बनना चाहती हूं जिससे किसी को भी लगे कि उन्होंने पिछले जन्म में कुछ अच्छे कर्म किए हैं। इसीलिए मैं उनकी जिंदगी में आई हूं। चाहे कोई भी भाग्यशाली व्यक्ति हो, मैं उनके लिए काम कर रही हूं। पैकेज जल्द ही आ जाएगा।

तमन्ना भाटिया को अब एहसास होता है कि प्यार और रिलेशनशिप में क्या अंतर है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कुछ बातें हैं जो मुझे हाल ही में समझ आई हैं। एक तो यह कि लोग प्यार और रिश्ते में उलझे रहते हैं। मेरा मतलब सिर्फ पुरुष-महिला के रिश्ते से ही नहीं, बल्कि दोस्तों के रिश्ते से भी है। प्यार सिर्फ बिना शर्त का हो सकता है। यह सिर्फ एकतरफा हो सकता है।

बकौल तमन्ना, यह आपका प्यार है। दो लोग व्यक्तिगत रूप से एक-दूसरे से प्यार कर सकते हैं, लेकिन असल में प्यार एक अंदरूनी प्रक्रिया है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किसी के लिए कैसा महसूस करते हैं। जिस पल आपकी उम्मीदें होती हैं और आप चाहते हैं कि लोग वही करें जो आप चाहते हैं, तब यह सिर्फ एक लेन-देन होता है।

सैफ ही नहीं सोहा के भी घर में घुसा था चोर

जनवरी 2025 के महीने में बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के घर चोर घुस आया था। उस चोर के कारण सैफ घायल भी हो गए थे जिसके बाद मुंबई शहर में सिक्योरिटी को लेकर कई सवाल खड़े हुए थे। अब सैफ की बहन एक्ट्रेस सोहा अली खान का कहना है कि एक बार उनके घर में भी चोर घुस गया था। हालांकि इस बार उनके पति कुणाल खेमू उससे निपटने में सफल हुए थे। सोहा ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में बताया कि उनके भाई सैफ अली खान के घर में चोर घुसने से पहले, उनके घर में भी चोर घुस गया था जो बाद में उनके बेडरूम में छिपा हुआ था। एक्ट्रेस ने बताया, मुंबई शहर में हमारे घर में भी चोर घुस गया था। मेरे भाई सैफ के नहीं, हमारे यानी मेरे और कुणाल के घर में। कुणाल ने चोर को पकड़ा था और उसे जेल में डलवाया था।

चोर हमारे बेडरूम में था। उस वक्त सुबह के करीब 4 बजे थे और हम लोग सो रहे थे। हमने कुछ आवाज सुनी। कुणाल के हाथ में प्लास्टर लगा हुआ था क्योंकि गो गोवा गॉन की शूटिंग के दौरान उनकी उंगलियां चोटिल हो गई थीं। कुणाल उस चोर को देखने के लिए उठे। और जब उन्होंने पर्दा हटाया, तो वहां पर एक पूरा आदमी खड़ा था। सोहा आगे बताती हैं कि कुणाल चोटिल होने के बावजूद चोर को पकड़ने में कामयाब हुए। उनकी और चोर की झड़प हुई जिसमें कुणाल सफल हुए। एक्ट्रेस ने बताया, कुणाल ने चोर को लात मारी और वो दोनों बाहर बालकनी में गिर गए। मैंने उस वक्त तुरंत पुलिस को कॉल किया। जब कुणाल वापस अंदर आए तो उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे लगता है कि चोर मर गया है। लेकिन हकीकत में वो चोर जब बालकनी में गिरा तो वो मरा नहीं था, उसकी कमर में चोट आ गई थी इसलिए वो जमीन पर लेटा हुआ था।

बता दें कि सैफ अली खान के घर में जब चोर घुसा था, तब एक्टर ने अपनी जान जोखिम में डालकर अपने बच्चों और परिवार को बचाया था। उनकी बहादुरी को हर किसी ने इंडस्ट्री में सराहा था। सिर्फ सैफ नहीं, बल्कि उनके बेटे तैमूर की भी खूब तारीफ हुई थी। उन्होंने भी उस मुश्किल वक्त में अपने पिता का साथ दिया था।

बॉलीवुड | मन की बात

नए एक्टर्स की बढ़ती डिमांड से परेशान हैं डायरेक्टर : संजय

बॉलीवुड में पिछले काफी समय से नए एक्टर्स के बदलते रवैए पर चर्चा शुरू है। कई फिल्ममेकर्स उनकी बढ़ती फीस की डिमांड से परेशान हैं। तो वहीं कुछ उनकी डिमांड्स पूरी करते-करते थक गए हैं। अब नए एक्टर्स की बढ़ती डिमांड पर डायरेक्टर संजय गुप्ता ने भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि एक्टर्स आजकल सेट पर छह वैनिटी वैन की डिमांड करते हैं। साइरस ब्रोचा के पॉडकास्ट में संजय गुप्ता का कहना है कि पहले के टाइम में एक्टर्स के पास सिर्फ एक मेकअप मैन और एक स्पॉट बॉय होता था। लेकिन आजकल हर एक्टर अपने साथ करीब 10 लोगों को रखता है, जिसके लिए वो सेट पर छह वैनिटी वैन अलग-अलग कारणों के चलते प्रोड्यूसर्स से डिमांड करते हैं। संजय गुप्ता ने कहा, पहली वैनिटी एक्टर की पर्सनल होती है जिसमें वो सभी बैठे होते हैं। इसके बाद दूसरी वैन मेकअप और बालों के लिए होती है। तीसरी वैन में सर बैठकर मीटिंग्स करते हैं और चौथी वैन में उनका जिम होता है जिसमें एक पर्सनल ट्रेनर, ड्राइवर और बाकी लोग भी मौजूद रहते हैं। पांचवीं वैन खाने की होती है जिसमें लाइव किचन होता है और शेफ एक्टर के लिए नाप-तोलकर खाना बना रहा है। आखिरी वैन एक्टर्स को अपने लोगों के लिए चाहिए होती है। संजय गुप्ता आगे कहते हैं कि नए एक्टर्स के अलावा बड़े स्टार्स के साथ ये आंकड़ा 11 वैनिटी वैन तक भी पहुंच जाता है। लेकिन अमिताभ बच्चन उनमें से हैं जो अपने साथ आने वाले स्टाफ का खर्च खुद देखते हैं। वो प्रोड्यूसर्स पर बोझ नहीं डलने देते। डायरेक्टर ने कहा, मिस्टर बच्चन कभी आपको अपने स्टाफ का खर्च उठाने नहीं देते। उनके साथ कुछ नहीं है। ना ही हर रोज का पैसा, ना आने-जाने का खर्च। वो कहते हैं कि ये मेरा स्टाफ है, ना कि प्रोड्यूसर को इन्हें पैसा देने की जरूरत है। उनका मेकअप मैन, हेयरस्टाइलिस्ट, ड्राइवर, उनका आदमी, सभी का पैसा वही देते हैं। लेकिन आजकल एक एक्टर की टीम जो पहले 2-3 लोगों की होती थी, वो अब 30 लोगों की हो चुकी है।

वैज्ञानिकों ने रिसर्च में किया दावा, बीयर पीने वालों को ज्यादा काटते हैं मच्छर!

आपने अक्सर देखा होगा कि कुछ लोगों को ज्यादा मच्छर काटते हैं तो कुछ को कम। क्या आपने कभी ऐसा सोचा है कि ये क्यों होता है? हाल ही में वैज्ञानिकों ने इस बात पर शोध किया और जो नतीजे निकले वो काफी चौंकाने वाले हैं। मच्छरों का सीधा कनेक्शन बीयर से निकला जिसे जानकर लोग भी चौंक गए। चलिए आपको इस रिसर्च के बारे में बताते हैं। नीदरलैंड्स के वैज्ञानिकों ने एक नया और दिलचस्प शोध किया है जिसमें खुलासा हुआ है कि बीयर पीने वाले लोगों को मच्छर ज्यादा पसंद करते हैं। यह अध्ययन रेडबॉउड यूनिवर्सिटी नाइमेजन के वैज्ञानिक फेलिक्स होल की टीम ने किया और इसे BioRXi1 नामक शोध मंच पर प्रकाशित किया गया है। वैज्ञानिक लंबे समय से यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि आखिर कुछ लोगों को मच्छर दूसरों की तुलना में अधिक क्यों काटते हैं। इसी सवाल का जवाब खोजने के लिए टीम ने नीदरलैंड्स के एक बड़े म्यूजिक फेस्टिवल लोवलैंड्स में हजारों मच्छरों और 500 प्रतिभागियों पर प्रयोग किया। शोधकर्ताओं ने फेस्टिवल में एक पॉप-अप लैब लगाई। वहां आने वाले लोगों से उनकी डाइट, हाइजीन और व्यवहार से जुड़े सवाल पूछे गए। प्रतिभागियों को एक विशेष बॉक्स में हाथ रखने को कहा गया जिसमें मच्छर मौजूद थे। इस बॉक्स में छोटे-छोटे छेद थे ताकि मच्छर उनकी गंध सूंघ सकें लेकिन काट न सकें। कैमरों की मदद से रिकॉर्ड किया गया कि कितने मच्छर हाथ पर बैठते हैं और कितनी देर तक रुकते हैं। नतीजे हैरान करने वाले थे। जो लोग बीयर पी चुके थे, वे मच्छरों के लिए 1.35 गुना ज्यादा आकर्षक पाए गए। जिन लोगों ने पिछली रात किसी के साथ बिस्तर साझा किया था, उन पर भी मच्छरों का झुकाव ज्यादा था। जो लोग कम सनस्क्रीन लगाते थे और नियमित रूप से नहाते नहीं थे, मच्छर उन्हें भी ज्यादा पसंद कर रहे थे। वैज्ञानिकों के अनुसार, मच्छर सीधे तौर पर अल्कोहल से आकर्षित नहीं होते बल्कि उसकी वजह से शरीर से निकलने वाली गंध उनकी ओर खींचती है। फेलिक्स होल ने बताया कि बीयर पीने वाले लोग अक्सर अलग तरह से बर्ताव करते हैं, जैसे ज्यादा डांस करना, ज्यादा पसीना आना, जिससे उनके शरीर की गंध बदल जाती है। यह गंध मच्छरों को बहुत तेजी से अपनी ओर खींचती है। यह भी पाया गया कि मच्छर इंसानों की गंध को लगभग 350 फीट दूर से भी पहचान सकते हैं। यानी अगर किसी ने बीयर पी है और उसके शरीर की गंध बदली है, तो मच्छर काफी दूरी से ही उसकी ओर आकर्षित हो सकते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी माना कि इस शोध की कुछ सीमाएं हैं। फेस्टिवल में आने वाले लोग आम तौर पर जवान और स्वस्थ होते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आगे का शोध ज्यादा विविध आयु और स्वास्थ्य पृष्ठभूमि वाले लोगों पर किया जाए।

अजब-गजब | खाने से लेकर पानी तक है इतना शुद्ध, बढ़ जाती है जिंदगी!

धरती की वो जगह, जहां लंबी उम्र के लिए जाते हैं लोग

किसे लंबी उम्र नहीं चाहिएज्अपने लिए, अपने परिवारवालों के लिए मगर लंबी उम्र पाने के लिए जो चीज करनी पड़ती है, वो लोग नहीं करना चाहते। हालांकि, अगर आप धरती की एक अनोखी जगह पर चले जाएं, जहां लंबी उम्र पाने के लिए लोग जाते हैं, तो यहां का सिर्फ खाना खाकर और पानी पीकर ही आप अपनी जिंदगी को बढ़ा सकते हैं। आखिर ये जगह कौन सी है? चलिए आपको बताते हैं।

कोस्टा रिका का निकोया प्रायद्वीप पूरी दुनिया में अपनी अनोखी जीवनशैली और लंबी उम्र के लिए जाना जाता है। यह इलाका दुनिया के पांच ब्लू जोन्स में से एक है, जहां लोग औसत अमेरिकी नागरिकों से करीब दस साल ज्यादा जीते हैं। यहां का खानपान और जीवनशैली ही लोगों को इतना स्वस्थ और दीर्घायु बनाती है। निकोया के लोग पीढ़ियों से प्राकृतिक और पारंपरिक भोजन का सेवन करते आ रहे हैं। यहां के खानपान की सबसे खास बात यह है कि इसमें किसी तरह के कृत्रिम पदार्थ, कैमिकल्स या एडिटिव्स का इस्तेमाल नहीं होता। गोल्डन ट्रायो यानी मक्का, बीन्स और स्क्वैश यहां की डाइट का मुख्य हिस्सा है। ये तीनों मिलकर शरीर को संतुलित कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फाइबर प्रदान करते हैं। लाल मांस और पशु

वसा का सेवन बेहद कम होता है। इसके बजाय लोग एवोकाडो, बीज और ताजे फलों-सब्जियों को ज्यादा महत्व देते हैं।

2024 में हुए एक अध्ययन में 60 वर्ष से ऊपर के 2827 कोस्टा रिकन नागरिकों की 15 साल तक निगरानी की गई। अध्ययन में पाया गया कि जो लोग पारंपरिक डाइट का पालन करते हैं, उनमें समय से पहले मौत का खतरा 18 प्रतिशत कम होता है। यहां के लोग सिर्फ खानपान पर ही ध्यान नहीं देते, बल्कि जीवनशैली भी संतुलित और प्राकृतिक है। निकोया का पानी कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर है, जो हृदय रोगों से बचाव और हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके अलावा यहां के लोग धूप में काफी समय बिताते हैं और खुले वातावरण में सक्रिय जीवन जीते हैं।

अब निकोया सिर्फ स्थानीय लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के पर्यटकों और प्रवासियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन गया है। यहां लक्जरी रिसॉर्ट्स, जैसे W Costa Rica Reserva Conchal, पारंपरिक भोजन को आधुनिक और पांच सितारा अंदाज में पेश कर रहे हैं। इन रिसॉर्ट्स में पांच रेस्त्रां हैं जो स्थानीय ब्लू जोन डाइट पर आधारित मेन्यू पर्यटकों को परोसते हैं। सर्वे बताते हैं कि आधे से ज्यादा पर्यटक ऐसे होटलों में ज्यादा पैसे खर्च करने को तैयार रहते हैं जो उन्हें हेल्दी और क्लीन फूड उपलब्ध कराते हैं। यही कारण है कि वेलनेस टूरिज्म यहां तेजी से बढ़ रहा है। रिसॉर्ट्स अपने मेन्यू में स्थानीय फसल, फल, सब्जियां और शहद तक शामिल कर रहे हैं। निकोया के लोग और यहां आने वाले पर्यटक दोनों ही महसूस करते हैं कि यह खानपान और जीवनशैली न सिर्फ उम्र बढ़ाती है बल्कि जीवन को बेहतर भी बनाती है। यही वजह है कि यहां से लोग सिर्फ स्वादिष्ट भोजन की यादें लेकर नहीं जाते बल्कि 'पुरा विदा' (Pura Vida – शुद्ध जीवन) का दर्शन अपने साथ लेकर जाते हैं।

भाई के विस क्षेत्र में तेज प्रताप ने सियासत गरमाई

» तेजस्वी के विस के बाढ़ पीड़ित अचानक पहुंच गए तेज प्रताप के आवास पर

» सभी के लिए खाना, पानी और रहने की बड़े भाई ने करवाई उचित व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव एक बार फिर से सुर्खियों में है। इस बार चर्चा का कारण है अपने छोटे भाई के विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की मदद करना। दरअसल, आज पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह अपने आवास पर महिला और पुरुषों को खुद से खाना परोसते दिखे। वीडियो शेयर करने के साथ उन्होंने लिखा कि शुक्रवार देर रात राघोपुर विधानसभा से बाढ़ से पीड़ित कुछ महिला और पुरुष मेरे आवास के बाहर सिक्योरिटी रूम में आकर बैठे थे।

जैसे ही मुझे इस बात की सूचना मिली हम तुरंत खुद से गेट पर पहुंचकर सभी महिलाओं और पुरषों से उनका हाल समाचार लिया। तेज प्रताप यादव ने लिखा कि हम सभी लोगों को अपने आवास के अंदर लेकर गयें और सभी के लिए खाना, पानी और रहने की उचित व्यवस्था करवाये और साथ ही कुछ आर्थिक सहायता दिया। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी लिखा

कि गरीब और जरूरतमंद की सेवा ही सच्ची भगवान की सेवा होती है। तेज प्रताप यादव की बहन रोहिणी आचार्य ने भी इस वीडियो को शेयर किया है। अब यह मामला इसके बाद सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बन गया। राजनीतिक पंडितों ने कहा कि तेज प्रताप अपने भाई के ही विधानसभा पर खास फोकस कर रहे।

छोटे भाई के विस पर तेज प्रताप का विशेष ध्यान

दो दिन पहले ही राघोपुर में बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री वितरण करते हुए तेज प्रताप यादव का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया। दौरे के दौरान वे एक बाढ़ प्रभावित परिवार के घर पहुंचे। घर के दरवाजे पर लगी खटिया पर बैठने के बाद उन्होंने वहीं पानी से चेहरा धोया और फिर अंदर जाकर परिवार से बातचीत की।

विधायक वोट चोरी पर क्यों चुप हैं राहुल : केटी रामाराव

» तेलंगाना में एमएलए चोरी पर बीआरएस का कांग्रेस पर अटैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और उन पर तेलंगाना में बीआरएस से कांग्रेस में आने की लहर पर षड्यंत्रकारी चुप्पी बनाए रखने का आरोप लगाया। राव ने कहा कि गांधी, जो राष्ट्रीय स्तर पर अक्सर वोट चोरी के खिलाफ बोलते हैं, राज्य में निर्लज्ज विधायक चोरी पर कोई रुख अपनाने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को इस अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक प्रथा पर शर्म आनी चाहिए। यह उस तथाकथित वोट चोरी से भी बदतर अपराध है जिसकी वह लगातार बात करते रहते हैं।

बीआरएस नेता ने मांग की कि राहुल गांधी उन विधायकों के बयानों पर प्रतिक्रिया दें जो पाला बदलने के बावजूद अब सार्वजनिक रूप से कांग्रेस में शामिल होने से इनकार कर रहे हैं। राव ने कहा कि इस बेशर्म चोरी में कांग्रेस पार्टी की भूमिका उसके दोहरे मानदंडों को साबित करती है। राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रसारित तस्वीरों की ओर इशारा किया, जिनमें कई दलबदलू दिल्ली में पार्टी का दुपट्टा ओढ़े राहुल गांधी के साथ पोज़ देते दिख रहे हैं। उन्होंने पूछा कि आपने उन्हें कांग्रेस का दुपट्टा ओढ़ाया और अब कह रहे हैं कि वे कभी शामिल ही नहीं हुए? क्या आप अब भी इस इनकार पर कायम हैं? अगर यह विधायक चोरी नहीं है, तो और क्या है? यह वोट चोरी से कम गंभीर कैसे है? क्या आपको इस तरह के राजनीतिक पाखंड में अपनी संलिप्तता पर शर्म नहीं आती?

कांग्रेस का दलबदल करने पर ज्यादा ध्यान

इस तरह के दलबदल से लोकतंत्र कमज़ोर होने और जनता का विश्वास कम होने की चेतावनी देते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लोगों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय दलबदल कराने पर ज़्यादा ध्यान दे रही है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने भारत के चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत करके कर्नाटक, हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात सहित कई राज्यों के चुनावों में वोट चोरी की।

सीएम की जीरो टॉलरेंस की नीति को मुंह चिढ़ा रहा बाबू

» किशुन का बजता बिगुल, लेखा विभाग पर उठे सवाल

» जुगाड़ तंत्र से पहुंचे फिर शुरू किया खेला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लेखा विभाग एक बार फिर सवालों के घेरे में है। बाबू किशुन वर्मा, जो कुछ समय पहले मुख्यालय में सम्बद्ध किए गए थे, अब जुगाड़ के सहारे दोबारा लेखा विभाग में पहुंच गए हैं। आरोप है कि विभाग में पहुंचते ही उन्होंने फाइलों का वही पुराना खेल फिर से शुरू कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, किशुन को ऐसे काम सौंपे गए जिन पर रोक थी। बावजूद इसके बजट, लायन इनवायरो जैसी फाइलें सीधे उनके हाथों में सौंप दी गईं।

चर्चा है कि आखिर एक ऐसे बाबू को,

जिस पर संदेह पहले से रहा है, कैसे विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दे दी गईं। नगर निगम के अंदरूनी हलकों में चर्चा है कि लेखा विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ ही दशकों से जमे पुराने बाबू हैं। फाइलें अटकाना, पास कराना और कमीशन का खेल इन्हीं के इर्द-गिर्द घूमता है। यही वजह है कि स्थानांतरण नीति यहाँ कागज़ों तक सिमट कर रह गई है। अब नगर निगम प्रशासन की निष्पक्षता पर भी सवाल उठ रहे हैं। की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच हो, ताकि निगम की कार्यप्रणाली पर लगे दाग साफ हो सकें।

मप्र में खाद संकट पर बवाल, विपक्ष लाल

» सतना में शिवराज सिंह चौहान का काफिला रोका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सतना दौरे पर उस समय हंगामा हो गया जब कांग्रेस विधायक ने उनका काफिला रोक लिया। मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर नारेबाजी की और क्षेत्र में लगातार बनी खाद की किल्लत का मुद्दा उठाया। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस विधायक ने सीधे केंद्रीय मंत्री से किसानों की समस्या पर सवाल पूछे और तुरंत समाधान की मांग की। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान और विधायक के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से खाद की कमी को लेकर किसानों की परेशानी बढ़ी है। सतना समेत कई जिलों में किसान खाद के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं, जिसके कारण आक्रोश बढ़ रहा है। कांग्रेस ने इसे लेकर सरकार और कृषि विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। विवाद के बीच शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को आश्वासन दिया कि खाद की उपलब्धता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय पर किसानों को खाद उपलब्ध कराई जाए और जल्द ही जिले में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। वहीं, कांग्रेस विधायक का कहना है कि जब तक किसानों को राहत नहीं मिलती, विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही और केवल कागजों में योजनाएं बनाकर जिम्मेदारी से बच रही है।

कांग्रेस विधायक ने केंद्रीय मंत्री से खाद की किल्लत पर पूछे सवाल और दिखाए काले झंडे

टी20 में 300 रन बनाने वाली तीसरी टीम बनी इंग्लैंड

» द. अफ्रीका के खिलाफ बनाए 304 रन, सीरीज में की 1-1 की बराबरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनचेस्टर। फिल सॉल्ट और जोस बटलर की शतकीय साझेदारी के दम पर इंग्लैंड ने दूसरे टी20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 146 रनों से हराया। इंग्लैंड टी20 में 300 रन बनाने वाली तीसरी टीम बन गई। इंग्लैंड पहला पूर्णकालिक सदस्य देश है जिसने फटाफट क्रिकेट में 300 रनों का आंकड़ा पार किया। इंग्लैंड ने इस धमाकेदार जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है।

अफ्रीका ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया, लेकिन सॉल्ट और बटलर की जोड़ी ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई जिससे इंग्लैंड 20 ओवर में दो विकेट पर 304 रन बनाने में सफल रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम 16.1 ओवर में 158 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड का टी20 में यह सर्वोच्च स्कोर है और वह नेपाल तथा जिम्बाब्वे के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप में 300 रन बनाने वाला तीसरा देश बन गया। हालांकि, आईसीसी के पूर्णकालिक सदस्य देशों में अब तक कोई ऐसा नहीं कर सका है और इंग्लैंड पहली पूर्णकालिक सदस्य टीम है जिसने टी20 में 300 रन बनाए हैं। इंग्लैंड ने इस मामले में भारतीय टीम को पीछे छोड़ा जिसके नाम टी20 में छह विकेट पर 297 रन बनाने का रिकॉर्ड था।

एशिया कप: पाक का जीत के साथ आगाज

दुबई। पाकिस्तान ने ओमान को 93 रन से हराकर एशिया कप 2025 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने मोहम्मद हारिस की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में ओमान की टीम 16.4 ओवर में सिर्फ 67 रन बना पाई और मुकाबला हार गई। 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की शुरुआत झटके के साथ हुई। ओमान के लिए हम्माद मिर्जा ने सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। वहीं पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। इसके बाद मोहम्मद हारिस ने साहिबजादा फरहान के साथ मोर्चा संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 63 गेंदों में 85 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान मोहम्मद हारिस ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

पीएम मोदी का मणिपुर दौरा, मचा सियासी घमासान

विपक्ष ने समय कम होने पर उठाया सवाल, कांग्रेस ने भाजपा पर बोला हमला, बीजेपी ने किया स्वागत, राहुल गांधी ने सही ठहराया पर बोले देर से लिया गया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। आखिर तीन साल बाद विपक्ष व मणिपुर के आमजन के भारी के दबाव के बीच देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य के दौरे पर पहुंच गये। उनके दौरे पर सियासी घमासान भी मच गया है।

जहां बीजेपी ने इसका स्वागत किया है वहीं विपक्ष ने इसे मात्र औपचारिकता बताया है। उधर कांग्रेस नेता व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पीएम के दौरे को सही ठहराया है। साथ ही दौरे को देर लिया फैसला करार दिया है। उधर कांग्रेस ने यात्रा का समय मात्र चार घंटे रखने पर भी सवाल उठाय है। इस पीएम ने अपनी यात्रा की बात साझा की है।

मणिपुर के समावेशी और सर्वांगीण विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं: प्रधानमंत्री

अपनी यात्रा से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर के समावेशी और सर्वांगीण विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। एक्स पोस्ट में लिखा कि सड़क परियोजनाओं, राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, महिला छात्रावासों आदि की आधारशिला रखी जाएगी। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है उनमें मंत्रिपुखरी में नागरिक सचिवालय, आईटी एसईजेड भवन और मंत्रिपुखरी में नया पुलिस मुख्यालय शामिल है, जो विभिन्न जिलों में महिलाओं के लिए एक अनूठा बाज़ार है।

मणिपुर में विस्थापितों से मिले पीएम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर के चूड़ाचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने मणिपुर जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों से चूड़ाचांदपुर में बातचीत की। मोदी ने चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में 3,600 करोड़ रुपये से अधिक की मणिपुर शहरी सड़कें, जल निकासी और परिसंपत्ति प्रबंधन सुधार परियोजना; 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की 5 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ, मणिपुर इन्फोटेक विकास परियोजना, 9 स्थानों पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास आदि शामिल हैं।

मणिपुर को शांति-प्रगति की राह पर ले जाएगा पीएम का दौरा : बीरेन सिंह

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य यात्रा का स्वागत किया और इसे शांति और स्थायी प्रगति की ओर ले जाने वाला क्षण बताया। एक पोस्ट साझा करते हुए, बीरेन सिंह ने लिखा कि मणिपुर अदर्निया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक स्वागत है। मणिपुर के लोगों को पूरी उम्मीद है कि यह क्षण हमें शांति और स्थायी प्रगति की ओर ले जाएगा। हम सब मिलकर इस विश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं कि आने वाला कल अधिक सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध होगा।

मोदी का मणिपुर दौरा सिर्फ औपचारिकता : गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित मणिपुर दौरे को लेकर तीखी प्रतिक्रि या दी। उन्होंने इसे केवल औपचारिकता करार देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को बहुत पहले मणिपुर जाकर लोगों का विश्वास जीतने की कोशिश करनी चाहिए थी। मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा, प्रधानमंत्री सिर्फ चार घंटे के लिए जा रहे हैं, यह बहुत पहले होना चाहिए था। जब प्रधानमंत्री किसी हिंसाग्रस्त क्षेत्र में जाते हैं तो लोगों को लगता है कि उनकी समस्याएं सीधे केंद्र तक पहुंच रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम के दौरे में हुई देरी ने शांति स्थापित करने का कीमती समय नष्ट कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने ये बातें जवाहर बाल मंच द्वारा आयोजित छात्र कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद कही। उन्होंने कहा कि बच्चों में नेतृत्व, त्याग और सेवा की भावना विकसित होनी चाहिए, ताकि वे आजादी के संघर्ष और देश के इतिहास को जान सकें। गहलोत ने कहा कि उन्होंने दो महीने पहले केंद्रीय गृह मंत्री से भी आग्रह किया था कि वे प्रधानमंत्री को मणिपुर जाने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि पीएम के दौरे का अपना महत्व होता है।

संसद भंग करने पर बढ़ी नाराजगी

» नेपाल के वकीलों ने राष्ट्रपति के फैसले को बताया असंवैधानिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को औपचारिक रूप से संसद भंग कर दी और सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया। हालांकि राष्ट्रपति के इस फैसले का विरोध भी शुरू हो गया है। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों और अधिवक्ताओं के शीर्ष संगठन ने राष्ट्रपति के संसद भंग करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है और इस कदम को असंवैधानिक, मनमाना और लोकतंत्र के लिए एक गंभीर झटका बताया है।

शुक्रव ार को अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में प्रतिनिधि सभा को भंग करने की सिफारिश की गई, जिसे राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, प्रतिनिधि सभा 12 सितंबर, 2025 की रात 11 बजे से भंग हो गई है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने नए संसदीय चुनाव कराने की तारीख 21 मार्च, 2026 तय की है। सभी राजनीतिक दलों ने संसद भंग करने के इस कदम की निंदा की है।

इस कदम का विरोध करते हुए, देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी, नेपाली कांग्रेस (एनसी) ने चेतावनी दी कि संविधान का उल्लंघन करने वाली कोई भी कार्रवाई अस्वीकार्य होगी। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक हुई। जिसमें निष्कर्ष निकाला गया कि संसद के भंग करके देश की लोकतांत्रिक उपलब्धियों को खतरे में डाल दिया गया है। नेपाली कांग्रेस ने कहा, संसद को भंग करने का यह कदम हमारे संविधान की भावना और सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या के खिलाफ है। यह पूरी तरह से असंवैधानिक है।

केरल के सभी दागी सौदों में मार्क्सवादी पार्टी के नेताओं की संलिप्तता : कांग्रेस

» केरल की राजनीति में गहराया ऑडियो क्लिप विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजनीति में ऑडियो क्लिप विवाद गहराता जा रहा है। कांग्रेस ने शनिवार को डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के दो नेताओं के बीच कथित टेलीफोन बातचीत को लेकर सत्ताधारी सीपीआईएम पर हमला तेज कर दिया।

कांग्रेस ने कहा कि इस बातचीत से साफ है कि सभी दागी सौदों में मार्क्सवादी पार्टी के नेताओं की संलिप्तता है। विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कोच्चि में मीडिया से बात करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी चोरों का गिरोह बन गई है और यह खुलासा पिनाराई विजयन सरकार के पतन की शुरुआत होगी। दरअसल दोनों नेताओं की कथित बातचीत का ऑडियो क्लिप के सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद हो गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि त्रिशूर में एमके कन्नन और विधायक एसी मोइदीन सहित वरिष्ठ माकपा नेताओं ने संपत्ति अर्जित की है।

सतीशन ने कहा कि वामपंथी नेताओं के खिलाफ खुलासे विपक्ष ने नहीं, बल्कि माकपा की युवा शाखा, डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के जिला सचिव ने किए हैं। विपक्ष के नेता ने कहा कि डीवाईएफआई के जिला सचिव के अनुसार, त्रिशूर में माकपा के जिला नेता चोरों का गिरोह हैं। माकपा नेताओं पर त्रिशूर में पुलिस में तैनाती सहित विभिन्न नियुक्तियों के लिए कमीशन लेने के आरोप हैं। इसके चलते कई जिला स्तर के नेता करोड़पति बन गए हैं। सतीशन ने करुवन्नूर सहकारी बैंक घोटाले का भी जिक्र किया, जिसमें माकपा के जिला नेताओं पर आरोप लगे थे कि उन्होंने 400 करोड़ रुपये से अधिक की लूट की।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन विभिन्न मामलों का निस्तारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देशभर की तरह राजधानी लखनऊ में भी शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ी और बड़ी संख्या में मामलों का निस्तारण किया गया। जनपद लखनऊ की लोक अदालत में अपर जिला जज मीनाक्षी सोनकर, नोडल अधिकारी व विशेष न्यायाधीश सीबीआई सेंट्रल रविन्द्र कुमार द्विवेदी तथा जनपद न्यायाधीश बबीता रानी ने मामलों की सुनवाई की।

लोक अदालत में बैंकों के काउंटर भी लगाए गए, जहां ऋण से संबंधित विवादों और ब्याज छूट जैसे मामलों का समाधान हुआ। इसके साथ ही पारिवारिक विवाद, 138 एनआईए क्ट (चेक बाउंस), यातायात चालान और राजस्व विवाद जैसे मामलों का भी निस्तारण किया गया। अधिकारियों के अनुसार, यदि दोनों पक्षों की रजामंदी बन जाती है, तो उसी समय समझौते के आधार पर मामला निपटा दिया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य एक बेंच, एक समाधान की तर्ज पर आम जनता को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना रहा।

हिमाचल के बिलासपुर में फिर बादल फटा

मंडी में लैंडस्लाइड, कई गाड़ियां मलबे में दबी, 15 सितंबर से मानसून की वापसी संभव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के नम्होल में शुक्रवार देर रात बादल फटा। इससे 10 से ज्यादा गाड़ियां मलबे में दब गईं। सड़कें भी बह गई, कई घरों को भी नुकसान पहुंचा। वहीं, मंडी जिले के धर्मपुरमें सपड़ी रोह गांव में शनिवार सुबह 4 बजे लैंडस्लाइड हुई। कई घर मलबे से घिर गए हैं। 8 घर खाली कराए गए हैं।

राज्य में बारिश-बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 386 पहुंच गय है। राज्य में इस सीजन में सामान्य से 43त्न ज्यादा बारिश हो चुकी है। एक जून से 12 सितंबर के बीच 678.4द्वद्व बारिश होती है, इस बार 967.2द्वद्व बारिश हो चुकी है।

यूपी के कई गांव बाढ़ की चपेट में

यूपी के उन्नाव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 23सेमी ऊपर है। यहां 80 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। 100 से ज्यादा परिवार बेघर हैं। फर्रुखाबाद में गंगा के किनारों का कटान तेज हो गया है। ग्रामीण अपने मकानों को खुद तोड़ रहे हैं। ईंट-सरिया निकालकर साथ ले जा रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी 15 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान से शुरू हो सकती है। आमतौर पर मानसून 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह लौट जाता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।